आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्ण शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य्, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव'

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 153 मुद्रण तारीख » 1 अक्टूबर 2024 कुल पृष्ठ » 28

रिश्तों की डोर बंधी नाच उठा मन–मयूर

अपनी गृहस्थी बसाने विदा हुई 51 बेटियां

NARAYAN SEVA SANSTHAN

SINCE 1985

Nar Seva Narayan Seva

4th NATIONAL PHYSICAL DISABILITY CRICKET Championship 2024

Now in Udaipur

15 to 25 October, 2024

SUPPORTED BY

DIFFERENTLY-ABLED CRICKET COUNCIL OF INDIA

24 Teams **11** Days **63** Matches **400** Divyang Cricketers

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 153 मुद्रण तारीख » 1 अक्टूबर 2024 कुल पृष्ठ » 28

सेवा सौभाग्य

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

ज्योति पर्व दीपावली एवं नारायण सेवा संस्थान के 40वें वर्ष प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाएं

06

07

08

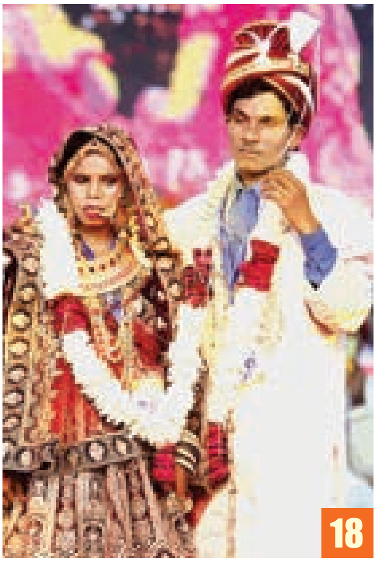
18

21

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 October, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

सेवा और समर्पण का 40वां सोपान

'सेवक' प्रशांत भैया
अध्यक्ष

बात सन 1980 के दशक के मध्य की है, तब पूज्य पिताजी श्रद्धेय गुरुदेव श्री कैलाश जी 'मानव' डाक-तार विभाग के लेखा विभाग में कार्यरत थे। माता-पिता से मिले संस्कारों से उनमें गरीब व जरूरतमंदों की सेवा का जज्बा तो बचपन से ही था, किंतु राजकीय सेवा में रहते दो ऐसी घटनाओं के वे साक्षी बने जिससे उनके जीवन का ध्येय ही सेवा बन गया। जब वे सिरोही में पोस्टेड थे, तभी पिंडवाड़ा के निकट एक हृदय विदारक बस-ट्रक दुर्घटना में कई लोग हताहत हुए। घायलों को दुर्घटना स्थल से अस्पताल पहुंचाना उस समय साधनों के अभाव में बड़ा कठिन था फिर भी उन्होंने राह गुजरने वाले वाहन चालकों व पुलिस की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और उनका त्वरित उपचार शुरू करवाया। दूसरी घटना उदयपुर के महाराणा भूपाल सार्वजनिक अस्पताल में भर्ती दूरदराज गांव के आदिवासी किसना जी भील को भूख के बावजूद रोटियां अपने परिचारक परिजनों के लिए तकिए के नीचे छुपाने की थी। यह वह समय था जब केवल रोगियों को तो खाना मिलता था लेकिन उनके साथ आए परिचारक के लिए भोजन व्यवस्था नहीं थी। तभी पिताजी ने हर ऐसे परिवार के लिए भोजन की व्यवस्था का संकल्प लिया और पड़ोसियों से एक-एक मुट्ठी आटा इकट्ठा कर माताजी से उनकी रोटियां बनवाकर रोजाना ऑफिस जाने से पूर्व उन्हें अस्पताल पहुंचाने का क्रम शुरू किया, जो वर्षों तक चला इन घटनाओं के दौरान ही सेवाभावी श्री राजमल जी जैन बीसलपुर, डॉक्टर आर.के अग्रवाल सा. उदयपुर, श्री आर. एल.डीडवानियां सा., चैनराज जी लोढ़ा, जसवंत लाल जी शाह, दीपचंद जी गारड़ी, मफत काका मुंबई, शिव नारायण जी अग्रवाल भीलवाड़ा, रामसूरत जी जायसवाल कोलकाता, आदि महानुभावों का सहयोग मिला और नारायण सेवा का कारवां शनैः-शनैः आगे बढ़ता रहा और आज हजारों सेवाभावी-दानवीरों और सेवा-साधकों का विश्व स्तरीय परिवार बन गया है। संस्थान की विधिवत स्थापना गायत्री महायज्ञ के साथ 23 अक्टूबर 1985 को हुई। हम भाई-बहन ने भी बचपन में पापाजी-मम्मीजी को बड़े सवेरे उठकर आस-पड़ोस और छुट्टी वाले दिन गांव में जाकर सत्तू, वस्त्र, दवा, अन्न, दूध-छाछ बांटने जाते देखा है। उनके इन्हीं सेवा संस्कारों ने मुझे भी सेवा के इस यज्ञ से दुनिया को जोड़ने की प्रेरणा दी। सम्माननीय दानदाताओं के सहयोग व संस्थान के चिकित्सालयों के माध्यम से अब तक 4 लाख 45 हजार पोलियो एवं जन्मजात दिव्यांगता सुधारात्मक ऑपरेशन व 5 लाख की फिजियोथेरेपी से दिव्यांग भाई-बहन लाभान्वित हुए हैं, 3 लाख 84 हजार कैलीपर व 45 हजार कृत्रिम अंग (हाथ-पैर), 2.83 लाख व्हीलचेयर, 3.12 लाख बैसाखी, 2.75 लाख ट्राई साइकिल, 32 हजार किलो खाद्यान्न, स्कूल बच्चों व ग्रामीणों को 4.10 लाख स्वेटर, कंबल, गणवेश आदि का वितरण किया गया और 2,408 दिव्यांग एवं निर्धन जोड़ों के विवाह संपन्न करवाए हैं। संस्थान के आवासीय विद्यालय में 495 जबकि नारायण चिल्ड्रन एकेडमी में 1704 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं 'अनाथ आश्रय' में 3200 मूकबधिर व प्रज्ञाचक्षु बालकों को शिक्षा सहित संपूर्ण आवासीय सुविधाएं प्रदान की गई हैं। प्रतिदिन 5 हजार दिव्यांग, उनके परिजन व जरूरतमंद भाई-बहन निःशुल्क भोजन सेवा का लाभ ले रहे हैं। संस्थान को विभिन्न राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय व सामाजिक पुरस्कारों से नवाजा गया है। नर - नारायण की सेवा यात्रा के 40वें वर्ष प्रवेश का संपूर्ण श्रेय आपश्री की उदारता और सम्बल को है। आशा और विश्वास है कि आपका स्नेह व सहयोग पीड़ित मानवता की सेवा के इस यज्ञ में सतत् प्राप्त होगा। प्रभु कृपा व आपश्री के आशीर्वाद और सहयोग से 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' (450 बैड हास्पिटल) भवन तैयार होने को है, जिसे आपश्री की साक्षी में शीघ्र ही लोकार्पित किया जाने वाला है। आपश्री को संस्थान के 40वें वर्ष प्रवेश पर बहुत-बहुत बधाई और आभार। जय नारायण!

पूज्य
श्री कैलाश 'मानव'
संस्थापक चेयरमैन

पुण्यार्जन का न चुकें कोई मौका

सेवा और सत्संग से जीवन में 'सत्यम्-शिवम्-सुंदरम्' का प्रकटीकारण होता है। इससे व्यक्ति का जीवन जीने का दृष्टिकोण ही बदल जाता है। वह इस बात को समझने लगता है कि परोपकार में उसकी भी भलाई निहित है।

दीन-दुखी-असहाय की सेवा में जो आत्म संतोष मिलता है, वही सच्चा सुख है। यदि सेवा में मन रम गया तो वह उस गंतव्य तक हमें पहुंचा देता है, जहां आनंद-गंगा की धारा अनवरत प्रवाहित होती है। अतएव सेवा और सहायता का कोई भी अवसर नहीं चूकना चाहिए क्योंकि फिर वह मिले ना मिले।

धर्मराज युधिष्ठिर के पास कोई याचक आया। महाराज युधिष्ठिर उस समय राज्य कार्य में अति व्यस्त थे। उन्होंने याचक से नम्रता पूर्वक कहा - 'श्रीमान आप कल पधारें, आपको अभीष्ट वस्तु प्रदान की जाएगी। याचक सर झुकाकर चला गया किंतु समीप ही बैठे भीमसेन उठे और राजसभा के द्वार पर जाकर दुन्दुभि बजाने लगे। उन्होंने आस-पास खड़े सेवकों से भी ऐसा ही करने को कहा। असमय में मंगलवाद्य बजने से धर्मराज युधिष्ठिर ने सभा में उपस्थित लोगों पर प्रश्नवाचक दृष्टि डाली और पूछा -'आज इस समय एकाएक मंगलवाद्य क्यों बज रहे हैं ? सेवक ने पता लगाकर बताया कि - भीमसेन जी ने ऐसा करने की आज्ञा दी है और वे स्वयं भी दुन्दुभि बजा रहे हैं।' भीमसेन जी बुलाए गए तो बोले - 'महाराज ने काल को जीत लिया हैं, इससे बड़ा मंगल का समय और क्या होगा।' मैंने काल को जीत लिया?' युधिष्ठिर चकित हो गए। भीमसेन ने बात स्पष्ट की - महाराज विश्व जानता है कि आपके मुख से हंसी में भी झूठी बात नहीं निकलती। आपने याचक को अभीष्ट दान कल देने को कहा है, इसीलिए कम से कम कल तक तो अवश्य ही काल पर आपका अधिकार होगा ही। 'अब युधिष्ठिर को अपनी भूल का एहसास हुआ वे बोले - 'भैया भीम! तुमने मुझे आज उचित सावधान किया। पुण्यकार्य तत्काल करना चाहिए। उसे पीछे के लिए टालना भूल है। उस याचक महानुभाव को अभी बुलाओ। उसे उसका अभीष्ट आज और इसी समय मिलेगा।

बंधुओं! सनातन संस्कृति के अनुसार समस्त चराचर में ईश्वर का वास है। अतएव सेवा कार्य करने में संलग्न महानुभावों के अंतःकरण में यह भाव सदैव रहना चाहिए कि दुर्बल, वंचित, पीड़ित, उपेक्षित, निराश्रित मानव के रूप में साक्षात ईश्वर ही हमारे सम्मुख आते हैं और उनकी तत्काल मदद की जानी चाहिए। क्योंकि पुण्यार्जन का यह अवसर चूकने के बाद शायद मिले न मिले। हमारी यही कोशिश रहनी चाहिए कि द्वार पर आया कोई भी जरूरतमंद निराश न लौटे। समाज का कोई भी अंग अथवा कोई भी व्यक्ति बुनियादी सुविधाओं से वंचित न रहे। परोपकार जीवन को उत्कृष्ट और पूर्ण बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

दीपावली: नन्हें दीये से लें प्रेरणा

भारत की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो-हड़प्पा की संस्कृति के अवशेषों में भी दीप प्रज्ज्वलन का उल्लेख और इसके प्रमाण भी मिले हैं। ईसा पूर्व चौथी सदी में कौटिल्य के अर्थशास्त्र में भी मंदिरों और घाटों पर कार्तिक अमावस्या को दीप जलाने का उल्लेख मिलता है। वास्तव में दीपावली किसी धर्म विशेष का त्योहार न होकर सभी धर्मों का प्रेरणास्पद त्योहार है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन में चौदह रत्न निकले थे, जिनमें लक्ष्मी के साथ। चंद्रमा, ऐरावत हाथी, उच्चैःश्रवा अश्व, अमृतकलश, कल्पवृक्ष आदि भी थे। जब समुद्र मंथन में लक्ष्मी जी प्रकट होकर भगवान श्री विष्णु जी के सम्मुख आईं, तो उनकी हथेली से स्वर्ण मुद्राएं बरस रही थीं। यह देख वे प्रसन्न हुए और कहा-देवी, सम्पूर्ण जगत में तुम्हारी पूजा होगी। तभी से दीपावली पर धनलक्ष्मी की आराधना होती है। श्री राम, भ्राता लक्ष्मण व पत्नी सीता के साथ जब चौदह वर्ष का वनवास पूर्णकर अयोध्या लौटे,तब भी उनके स्वागतार्थ नगरवासियों ने दीप मालिका सजाई थी।

भारतीय संस्कृति में हर अच्छी उपयोगी व सार्थक चीज को श्री लक्ष्मी स्वरूप माना जाता है। श्री का मतलब लक्ष्मी। इसके बिना हरि भी सम्पूर्ण नहीं होते। विवाहित स्त्रियों द्वारा अपने नाम के साथ प्रयुक्त किया जाने वाला श्रीमती शब्द भी लक्ष्मी-अर्थ है। लक्ष्मीपूजा का लोकरंग गोधन में भी समाहित है। उसका गोबर भी पवित्र है। दीपावली के दूसरे दिन गोबर निर्मित गोवर्धन जी की पूजा होती है। हमारे जीवन में गाय और गोबर का अपार महत्व है, इसलिए वे पूजनीय हैं। यह परंपरा लक्ष्मी का सम्मान करना सिखाती है। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि जिस तरह एक नन्हा सा दीया घने अंधकार को चीर देता है,उसी प्रकार हम भी कठिन परिस्थितियों से हारें नहीं। समाज के वंचित और पीड़ित वर्ग का सहारा बनें। उनके जीवन में रंग और रोशनी भरने में योगदान करें।

विभिन्न धर्मों में दीपावली

-जैन धर्म और दीपावली

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी को पटना के पावापुरी में कार्तिक अमावस्या की प्रातः बेला में मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। जैन धर्म के लोग इसी दिन प्रतिवर्ष दीपक जलाकर निर्वाण दिवस मनाते हैं।

-बौद्ध धर्म और दीपावली

बौद्ध धर्म के प्रवर्तक भगवान गौतम बुद्ध के अनुयायियों ने 2500 वर्ष पूर्व गौतम बुद्ध के स्वागत में दीपावली के दिन हजारों दीप जलाए थे तथा आज भी बौद्ध इसी दिन (अपने स्तूपों पर दीप जलाकर बुद्ध का स्वागत करते हैं।

-सिख धर्म और दीपावली

सिखों के चौथे गुरू रामदास जी ने 16वीं सदी में स्वर्णमंदिर की नींव कार्तिक अमावस्या के दिन ही रखी थी। सिखों के छठे गुरू हरगोविन्द सिंह जी को जहांगीर ने ग्वालियर में कैद कर लिया, मुक्त होने के बाद वह सीधे अमृतसर पहुंचे। उस दिन दीपमाला से उनका स्वागत हुआ और वह दिन भी कार्तिक अमावस्या का ही था।

-आर्य समाज और दीपावली

महर्षि दयानन्द सरस्वती ने भी 30 अक्टूबर 1881 को दीपावली के दिन शरीर को त्याग कर निर्वाण पाया।

पेरिस में भारत का सुनहरा सफर

पेरिस में 8 सितंबर को संपन्न पैरालिंपिक (दिव्यांग ओलंपिक) खेलों में भारत का सफर सुनहरा रहा। भारत ने कुल 29 मेडल (7 स्वर्ण, 9 रजत व 13 कांस्य) हासिल कर इतिहास रच दिया। पैरालिंपिक के इतिहास में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। देश ने पिछली बार के टोक्यो पैरालिंपिक से 10 पदक ज्यादा अर्जित किए। यह पहला मौका है जब भारत ने 18वां स्थान पाया, जबकि पिछली बार वह 19 पदक के साथ 24 वें स्थान पर रहा। वर्ष 2016 के रियो पैरालिंपिक में भारत को सिर्फ 3 पदक ही मिल पाए थे। देश में दिव्यांगों के सशक्तिकरण की दिशा में इस बार का विजय अभियान मील का पत्थर साबित हुआ। इस उपलब्धि पर नारायण सेवा संस्थान ने विजेता खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों व प्रबंधकों को हार्दिक बधाई प्रेषित की है। पैरालिंपिक खेलों की समापन परेड में स्वर्ण पदक विजेता आर्चर हरविंदर और एथलेटिक्स की डबल मेडललिस्ट प्रीति पाल भारत के ध्वज -वाहक रहे। 28 अगस्त को उद्घाटन समारोह में भारत की ओर से ध्वज-वाहक की भूमिका का निर्वाह जैवलिन थ्रो विजेता सुमित अंतिल और भाग्यश्री यादव ने किया था।

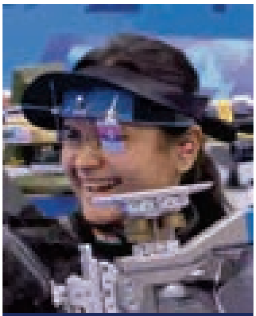
अवनी लेखरा - शूटिंग

सुमित अंतिल - जैवलिन थ्रो

नवदीप सिंह -जैवलिन थ्रो

हरविंदर सिंह -तीरंदाजी

नितेश कुमार - बैडमिंटन

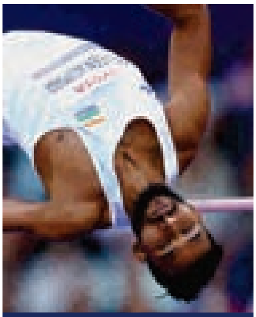
प्रवीण कुमार - हाई जम्प

धर्मवीर - क्लब थ्रो

रिश्तों की डोर बंधी नाच उठा मन–मयूर

अपनी गृहस्थी बसाने विदा हुई 51 बेटियां

संस्थान के तत्वावधान में दो दिवसीय निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन युवक-युवती सामूहिक विवाह समारोह 31 अगस्त व 1 सितम्बर को सानन्द सम्पन्न हुआ। जिसमें 51 जोड़ों ने पवित्र अग्नि के सात फेरे लेकर अपने नए घर संसार में प्रवेश किया। इस 42वें विवाह के साक्षी बने देश के विभिन्न राज्यों से आए हजारों अतिथि परिवार।

धूम-धाम से हुई सभी रस्में –प्रथम दिन सेवा महातीर्थ परिसर के हाड़ा सभागार में प्रातः 11.15 बजे संस्थान-संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव', सह संस्थापिका कमला देवी जी व विशिष्ट अतिथियों सर्वश्री श्रीमती अंजू जी क्वात्रा, श्री सुरेश जी कालरा दिल्ली, श्री हरीश कुमार जी सूरत, श्री ज्ञानदेव जी आहूजा अलवर, श्रीमती पुष्पा देवी जी, श्री नरेन्द्र पाल सिंह, श्री राजेन्द्र जी राठौड़, श्री गौतम जी, श्री वल्लभ भाई जी धनानी, श्रीमती बृजबाला जी दिल्ली, संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी व निदेशक श्रीमती वंदना जी के सानिध्य में प्रथम पूज्य गणपति जी का आह्वान एवं पूजन हुआ।

इसके पश्चात सभी 51 जोड़ों की मेहंदी व हल्दी की रस्म पारंपरिक गीत व नृत्यों के बीच सम्पन्न हुई। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी तादाद में आए अतिथियों ने भी ठुमके लगाकर अपनी

खुशी का इजहार किया। दोपहर में जोड़ों के धर्म-माता-पिता (कन्या दानी) व परिजनों का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। सेवक प्रशांत भैया ने स्वागत करते हुए कहा कि दिव्यांग एवं कमजोर वर्ग को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें खुशी और समानता के हक के साथ जीने के वातावरण निर्माण में संस्थान भरसक प्रयास कर रहा है। पिछले 41 विवाहों में 2,357 जोड़े

अपनी गृहस्थी बसाकर खुशहाल हैं। उन्होंने वर्ष 2030 तक का सेवा संकल्प पत्र भी प्रस्तुत किया। पूज्य 'मानव' जी ने दानवीरों के सहयोग व समर्पण के लिए आभार जताया और नव युगलों को शुभकामनाएं दी। संध्या वेला में महिला संगीत का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें शिव -पार्वती नृत्य नाटिका प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही।

बिन्दोली में खूब लगे ठुमके –

दूसरे दिन 1 सितम्बर को प्रातः 10.15 बजे पाणिग्रहण संस्कार से पूर्व बाजे- गाजे परम्परागत बिन्दोली निकाली गई। इसमें अतिथियों व संस्थान साधक-साधिकाओं ने वैवाहिक व फिल्मी गीतों पर खूब ठुमके लगाए। परिसर में भ्रमण करते हुए बिन्दोली हाड़ा सभागार पहुंची। जहां संस्थान संथापक पूज्य गुरूदेव व गुरूमाता जी के साथ श्री सत्यनारायण जी गुप्ता, श्री नरेंद्र पाल सिंह जी, श्रीमती कुसुम जी गुप्ता दिल्ली, पूर्व विधायक श्री ज्ञानदेव जी आहूजा अलवर,श्री नितिन जी मित्तल गुड़गांव, श्री हरीश भाई सूरत,श्री सतीश जी अग्रवाल मुम्बई व संतोष सिंह जी सलूजा उदयपुर ने दीप प्रज्वलित कर पाणिग्रहण संस्कार की पारम्परिक रस्मों की शुरूआत की। जिसमें सबसे पहले दूल्हों द्वारा नीम की डाली से तोरण रस्म का निर्वाह किया गया। इसके बाद श्रीनाथजी

की झांकी के साथ वधुओं का मंच पर प्रवेश हुआ। वरमाला रस्म अदायगी के दौरान दूल्हा-दुल्हन ने परस्पर बारी-बारी से वरमाला पहनाकर जनम-जनम के रिश्तों की डोर से अपने को बांध लिया। तालियों की गड़गड़ाहट और मंगल गीतों की समधुर गूंज की आल्हादित करती वेला, पुष्प वर्षा और आतिशबाजी ने वातावरण को और अधिक भव्यता प्रदान की। जोड़ों में कोई दूल्हा दिव्यांग था, तो कोई दुल्हन। कोई दोनों ही दिव्यांग। कोई बैशाखी सहारे तो कोई व्हीलचेयर पर था। इनमें जन्मजात प्रज्ञाचक्षु जोड़ा भी शामिल था।

वरमाला के बाद 51 वेदियों पर नियुक्त आचार्यों ने मुख्य आचार्य के निर्देशन में वैदिक मंत्रों के साथ पवित्र अग्नि के सात फेरों की रस्म अदायगी के साथ पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया। इस दौरान जूते छुपाई और नेग अदायगी

रस्म भी निभाई गयी।

विदाई के वक्त सभी की आंखें नम थी दुल्हनों को डोली में बिठाकर उनके विश्राम स्थल तक पहुंचाया गया,जहां से संस्थान के वाहनों से दूल्हा-दुल्हन ने अपने-अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया। जोड़ों को गृहस्थी का आवश्यक सामान बर्तन सेट, गैस-चूल्हा, संदूक, टेबल-कुर्सी, बिस्तर, घड़ी, पंखा, परिधान, प्रसाधन सेट,मंगलसूत्र, कर्णफूल, बिछिया, पायल, लोंग, अंगूठी व अन्य सामग्री भी प्रदान की गई।

एक पेड़ माँ के नाम –

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आव्हान अनुसार पाणिग्रहण संस्कार से पूर्व कुछ जोड़ों व अतिथियों ने परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' रोपा। पाणिग्रहण के बाद सभी जोड़ों को तुलसी, बिल्व, पीपल,अशोक आदि प्रजातियों के पौधे भेंट किए गए ताकि वे उन्हें अपने विवाह की स्मृति में अपने घर-आंगन में रोपकर अपने दाम्पत्य जीवन को भी हराभरा बना सकें।

दिव्यांग केसरीमल की जीवनसाथी बनी शांता

डूंगरपुर जिले की आसपुर तहसील निवासी शांता (28), जो बचपन से दाहिने पैर से दिव्यांग है, ने अपने जीवन में हर कठिनाई का सामना करते हुए खुद को साबित किया है। वह पढ़ाई-लिखाई, सिलाई-कढ़ाई, और गृहस्थ कार्यों में निपुण है। लेकिन दिव्यांगता के कारण विवाह नहीं हो पा रहा था, जिससे परिवार काफी दुःखी था।

कुछ समय पहले शांता की मुलाकात प्रतापगढ़ जिले के धरियावद निवासी केसरीमल (25) से हुई, जो बचपन में खेलते हुए गिरने के कारण दाहिने हाथ से दिव्यांग हो गए थे। दोनों का इलाज संस्थान में हुआ, जहाँ इनकी जिंदगी में बदलाव आया। यहीं इनकी परस्पर मुलाकात हुई और एक-दूसरे का जीवन साथी बनने का निर्णय किया। दोनों के परिवारों ने सहमति के बाद संस्थान से सम्पर्क किया और संस्थान ने धर्म माता-पिता के माध्यम से इन्हें इनके सपनों का संसार सजाकर दिया।

महेश दोनों पांव व मोनिका एक पांव से दिव्यांग

डूंगरपुर जिले के सुंदरपुर गांव के गौतम यादव के पुत्र महेश यादव (31) और इसी जिले के चीखली गांव के कावा जी गरासिया की पुत्री मोनिका (31) परिणय सूत्र में बंधे। महेश एम.ए.बी एड तक शिक्षित है। गांव में ही ई-मित्र की दुकान के साथ बच्चों की टयूशन कर गुजारा करते हैं। इससे पहले अहमदाबाद में शिक्षक थे। सन 2015 में अपनी बाइक की बोलेरो से गांव में हुई आमने-सामने भिड़ंत में इनके दोनों पांव नाकाम हो गए। माता-पिता कृषक हैं। परिवार में एक भाई और है, जिसका विवाह भी शेष है। महेश की जीवनसाथी बनी मोनिका 12वीं पास हैं और सिलाई का काम कर माता-पिता को घर खर्च में सहायता करती हैं। बचपन से ही दायां पांव पोलियो ग्रस्त है। परिवार ने दो वर्ष पूर्व इनका विवाह तय किया किंतु गरीबी के चलते विवाह रूका हुआ था। संस्थान ने दो प्राण-एक तन का उनका सपना साकार करने का सौभाग्य प्राप्त किया।

लखनऊ की वधू बिहार का दूल्हा

रेखा कश्यप (34) लखनऊ के तकरोही की रहने वाली हैं। जब वो मात्र 2 माह की थीं तब बुखार के दौरान इंजेक्शन से हुए संक्रमण के कारण दोनों पैरों से आंशिक रूप से दिव्यांग हो गई। बावजूद इसके वो घर के सभी काम कर लेती हैं। सिलाई का प्रशिक्षण लेकर अपने को हमेशा काम में व्यस्त रखने के साथ ही घर खर्च जुटाया।

दिव्यांगता के कारण विवाह में रूकावटें आने का उसे दुःख हमेशा सालता रहा। किसी एक कार्यक्रम में इनके परिवार का बिहार के खगड़िया निवासी जयप्रकाश के परिवार से मिलना हुआ और दोनों का विवाह तय हो गया। जय प्रकाश एक आँख से दृष्टिहीन हैं और स्टेशनरी की दुकान चलाते हैं। जयप्रकाश ने संस्थान में सामूहिक विवाह के बाद बताया की वह रेखा को कभी भी दिव्यांगता महसूस नहीं होने देंगे और उनकी हर आवश्यकता और खुशी को पूरा करेंगे।

दूल्हा जन्मजात प्रज्ञाचक्षु, दुल्हन एक आंख से दृष्टिहीन

उदयपुर जिले की सराड़ा तहसील के नाकोली ग्राम निवासी लोगर मीणा (25) जन्मजात प्रज्ञाचक्षु हैं, जबकि उनकी जीवन संगिनी बनी इसी जिले की गिर्वा तहसील के खारवा गांव की मांगी मीणा (24) एक आंख से जन्मजात दृष्टिहीन है। एक सामाजिक आयोजन में लोगर के पिता श्री फतेहलाल व मांगी के पिता श्री हरजी का मिलन हुआ और पारिवारिक हालातों की जानकारी के दौरान दोनों का रिश्ता तय हो गया। लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक न होने से सगाई के दो-तीन वर्ष बाद भी विवाह की स्थिति नहीं बन पा रही थी। इसी दौरान संस्थान में दिव्यांग एवं निर्धन युवक - युवतियों के निःशुल्क विवाह की जानकारी मिलने पर अभिभावकों ने संपर्क किया और आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति के बाद इनके विवाह का सपना साकार हो उठा। लोगर ने मौखिक परीक्षा के माध्यम से पांच कक्षा उत्तीर्ण की जबकि मांगी तीसरी ही पढ़ पाई। मांगी ने विवाहोपरांत कहा कि वह अपने पति की दृष्टि बनकर उनके जीवन को रंगों से भरने का हर संभव प्रयास करेंगी।

दिव्यांग सुनील की सकलांग प्रिया

सुनील कुमार (36) बिहार के मकरपुर गाँव के निवासी हैं। बचपन में ही पोलियो के शिकार हो गए । इस बीमारी ने उनके दोनों पैरों को प्रभावित किया, जिससे वे ठीक से चल-फिर नहीं पाते। लेकिन इन्होंने ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने जीवन की चुनौतियों का सामना अपने मजबूत इरादों से किया। वर्तमान में ये एक छोटी परचून की दुकान चला कर अपना भरण-पोषण करते हैं। संस्थान के 42वें दिव्यांग सामूहिक विवाह ने सुनील के जीवन में नई सुबह की दस्तक दी। बिहार के जहानाबाद की प्रिया कुमारी (29), सुनील की जीवनसंगिनी बनी। प्रिया सकलांग और आत्मनिर्भर हैं, गृहस्थी में निपुण हैं और सिलाई का काम करती हैं। दोनों ही माता-पिता के गुजर जाने के बाद अनाथ हो गए थे, लेकिन उन्होंने अपने जीवन को आत्मनिर्भरता और साहस के साथ आगे बढ़ाया।

सुनील और प्रिया की पहली मुलाकात गया के एक धार्मिक स्थल में हुई थी। सकलांग और दिव्यांग का यह विवाह समाज के लिए एक प्रेरणादायक मिसाल है। इसने बताया कि सच्चा प्रेम और समर्पण शारीरिक सीमाओं से परे होता है। पाठक इस अद्वितीय जोड़े को आशीर्वाद दें और उनके घर-संसार की सफलता की कामना करें।

सुबह की सुर्खियां

01-09-2024

NEWS UPDATE

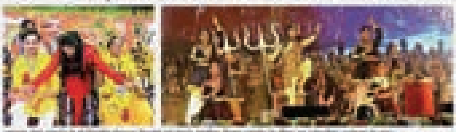

दिव्यांग सामूहिक विवाह : नारायण सेवा संस्थान करा रहा

51 जोड़ों ने रचाई जीवन साथी के नाम की मेहंदी, कार्यक्रम में मेहमान भी थिरके

नारायण सेवा संस्थान का 42वाँ निशुल्क सामूहिक विवाह
51 दिव्यांग जोड़ों की हल्दी- मेहंदी रस्में हुईं, डांस ने महफ़िल सजाई

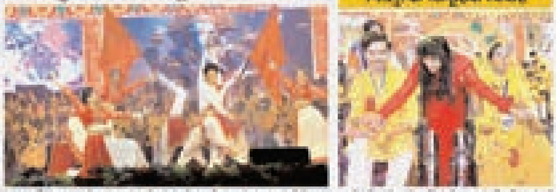

प्रातःकाल

51 दिव्यांग जोड़ों को लगी हल्दी-मेहंदी

गीत-नृत्य के बीच खूब जमी महफिल

नारायण सेवा संस्थान का 42वां निःशुल्क सामूहिक विवाह

नारायण सेवा का 42वां दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह

मन में उमंग-तरंग लिए 51 बेटियां चली ससुराल

पत्रिका

51 दिव्यांग जोड़ों की हल्दी- मेहंदी रस्में हुईं, आज बंधेंगे विवाह बंधन

उदयपुर. नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में शनिवार को 42 वें दो दिवसीय निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह के तहत लियों का गुड़ा (बड़ी) स्थित संस्थान परिसर के सेवा महातीर्थ में 51 दिव्यांग जोड़ों की हल्दी- मेहंदी रस्में हुईं। शुभ मुहूर्त में कार्यक्रम प्रातः 11:15 बजे संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव', सह संस्थापिका कमला देवी अग्रवाल व विशिष्ट अतिथि अंजू क्वात्रा, सुरेश कालरा दिल्ली, हरीश कुमार सूरत, ज्ञानेन्द्र आहूजा अलवर, पुष्पा देवी, नरेन्द्र पाल, राजेन्द्र राठौड़, गौतम, वल्लभ भाई धनानी एवं कृतज्ञता दि... सान्निध्य में आरंभ हुआ। ... अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल व नि... वंदना अग्रवाल के निर्देशन में 51 जोड़ों की मेहंदी व हल्दी की पारम्परिक गीत व नृत्य के बीच र... हुई। संगीत समारोह में वर-वधू परिजन, कन्यादानी, अतिथि संस्थान साधिकाओं ने सजे-ध... पर नृत्य और गीतों की डीजे व... पर प्रस्तुतियां दी। संस्थान अ... प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि र... सुबह 11 बजे तोरण व वरमाल रस्म अदायगी के साथ सभी 51 का पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न

Advertisement

कृत्रिम अंग व कैलीपर से आसान हुई राह

गुवाहाटी व मुरादाबाद में संस्थान के नि:शुल्क दिव्यांग सहायता शिविर

गुवाहाटी (असम) में 25 अगस्त को सम्पन्न नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर में 170 कृत्रिम अंग (हाथ-पैर) व 159 कैलिपर्स वितरित किए गए। शिविर में लगभग 400 दिव्यांगजन पंजीकृत हुए। इनमें से 9 को व्हीलचेयर, 20 को बैसाखी व 28 को वॉकर भी प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि राज्य के शहरी विकास एवं सिंचाई मंत्री श्री अशोक जी सिंगल थे। अध्यक्षता श्री दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष श्री महावीर प्रसाद जी जैन ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री रमेश जी गोयनका, राम गोपाल जी सोनी, पदम जी सेठिया, प्रेमकांत जी चौधरी, बाबूलाल जी चोर्डिया व शशिकांत जी अग्रवाल मंचासीन थे। अतिथियों का स्वागत संस्थान के निदेशक श्री देवेंद्र जी चौबीसा, श्री भगवान प्रसाद जी गौड़, शिविर प्रभारी श्री अचल सिंह जी भाटी ने व संचालन श्री ऐश्वर्य जी त्रिवेदी ने किया। कृत्रिम अंग व कैलिपर्स फिटमेंट डॉ. अखिल भास्कर जी उपाध्याय के निर्देशन में हुआ।

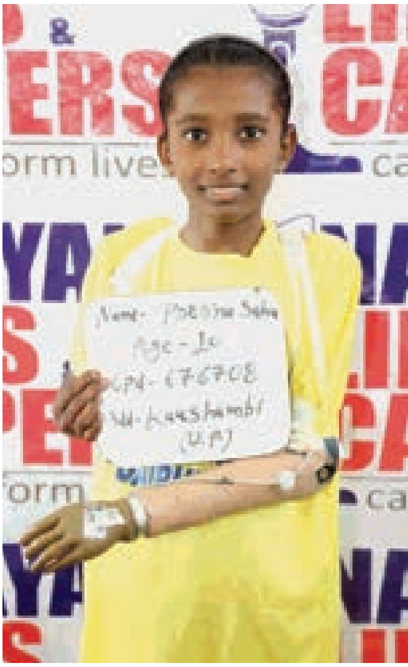

मुरादाबादः महर्षि दयानन्द डिग्री लॉ कॉलेज भरासना, मुडापांडे मुरादाबाद (उ.प्र.) में 8 सितम्बर को सम्पन्न नारायण लिम्ब एवं कैलीपर्स फिटमेंट शिविर में 25 दिव्यांगों के कृत्रिम हाथ-पांव कैलीपर्स लगाए गए। मुख्य अतिथि श्री रामवीर सिंह ठाकुर थे। अध्यक्षता ग्राम प्रधान श्री नजर अली ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री संजीव ठाकुर, आबिद अली व जाहिद मुल्ला थे। मुरादाबाद के ही कुंदरकी में 9 सितम्बर को सम्पन्न शिविर में 26 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पैर व कैलीपर्स लगाए गए। मुख्य अतिथि श्री रामवीर सिंह ठाकुर थे। अध्यक्षता श्री नफीसुल हसन ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री अशोक सिंघल, अनिल सिंघल, अरविन्द सिंघल, नसीम खान, सैफ अली व नुरूल हसन थे। उक्त दोनों ही शिविरों में फिटमेंट कार्य डॉ. अखिल भास्कर की देखरेख में हुआ। संयोजन श्री हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया।

झीनी-झीनी रोशनी 64

एक दिन कैलाश जी 'मानव' अपने कार्यालय में बैठे रोज का काम काज निपटा रहे थे तभी एक व्यक्ति ने प्रवेश किया। इसके हाथों में एक टोकरा था। इस व्यक्ति ने यह टोकरा मानव जी के टेबल पर ला कर पटक दिया। वे अचानक उपस्थित हुए इस व्यवधान से चौंक गए। टोकरे में गुलाब के फूल थे। उसने सोचा जरूर कार्यालय में किसी ने मंगवाये होंगे। उसने प्रसन्न होकर अपनी निगाहें उपर की तो उन्हें उस व्यक्ति का तमतमाता चेहरा नजर आया। वह गुस्से से आग बबूला हो रहा था। मानव जी के ऊपर देखते ही वह आवेश से बोल पड़ा ये फूल काफी हैं या और लाऊं। मानव जी कुछ समझ नहीं पाए । एक तरफ तो यह व्यक्ति फूल लेकर आया और दूसरी तरफ वह इतना क्रोधित हो रहा है। मानव जी ने अपनी जिज्ञासा को विराम दिया और व्यक्ति को अपने पास ही पड़ी कुर्सी पर बैठने को कहा। उसे पानी पिलाया। उसके चेहरे पर अब थोड़ी शांति महसूस हुई तब उसने फिर पूछा- इतने फूल काफी हैं या और लाँऊ? मानव जी का कुतुहल समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रहा था, उन्होंने अपने चेहरे पर मुस्कान लाते हुए वह प्रश्न पूछ ही लिया जो इतनी देर उन्होंने धैर्यपूर्वक दबाये रखा था-किस खुशी में लाये हैं ये फूल आप? वह बोला- खुशी में नहीं दु:ख में लाया हूं। मानव जी का कुतुहल शांत होने की बजाय और बढ़ गया, पूछ बैठे - मैं समझा नहीं। वह बोला 180 नो रिप्लाई, 190 नो रिप्लाई, 197 नो रिप्लाई, कोई फोन काम नहीं कर रहा इसका मतलब सब सेवाओं का देवलोक गमन हो गया है, ये फूल उन्हें श्रद्धांजलि देने ही लाया हूं, उसने फिर कहा- ये भी कम पड़ते हों तो और लेकर आऊं।

विरोध प्रदर्शन के इस शांतिप्रिय तरीके से मानव जी अत्यन्त प्रभावित हुए। गांधीगिरी की अवधारणा तो काफी वर्षों बाद देखने में आई मगर इसका प्रयोग किसी न किसी रूप में हर काल में होता रहा है। मानव जी ने अब अत्यन्त विनीत होते हुए उससे प्रार्थना की कि हमारी इतनी इज्जत तो खराब मत करो। तब उसने कहा कि आप तो इसके भी काबिल नहीं हो।

यह वो जमाना था तब जनसेवाओं के हर क्षेत्र में सरकारी एकाधिकार था। आज तो निजी क्षेत्र के पदार्पण के कारण हर सेवा में जबर्दस्त प्रतिस्पर्धा है और उपभोक्ता के सामने ढेरों विकल्प हैं। आज तो दुनिया के किसी भी कोने में फोन मिलाओ और तुरन्त बात हो जाती है मगर तब किसी निकटस्थ गांव, कस्बे या शहर तक में बात करने हेतु घंटों लग जाते थे। लोग ट्रंक काल बुक करा कर बैठ जाते थे और फोन मिलने का इन्तजार करते रहते थे। फोन नहीं मिलता तो लोग बार-बार ट्रंक इन्क्वायरी पर फोन करके ऑपरेटरों की मिन्नतें करते। कभी कहीं मौत-मरण की सूचना देनी होती तो ऑपरेटर भी इधर-उधर से, किसी भी तरह कनेक्शन जोड़ कर बात करवा देते। तब ऑपरेटर होना भी किसी हस्ती से कम नहीं होता था। कोई ऑपरेटर किसी का दोस्त या मिलने वाला होता तो यह उसके लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं होता था।

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

....

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811, ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714, बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

....

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता
मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878,108
अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी
स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार
नियर मेरठ रोड
करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

....

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

....

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

....

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112, डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

....

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई 09529920090,07073452174
09529920088 फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु ओस्वाल ओनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट थाने, 401105

पूणे 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर 08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा 07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

तमिलनाडु

कोयंबटूर
7412060419,बी-32, साई कृपा अपार्टमेंट, राजलक्ष्मी कॉलोनी, टीवीएस नगर, कौंडमपलायम रोड, ईबी कॉलोनी, कोयंबटूर (तमिलनाडु) 641025

हरियाणा

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज 09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ 08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ 09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

पंजाब

लुधियाना 07023101153
381/382, बी-17, गुलाटी डांस क्लास के पास, भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़ 7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़-160047

आन्ध्र प्रदेश

विशाखापट्टनम
9257017593
45-40-9/2, ऊपर की मंजिल, एसवीएम बेकरी के सामने, संगम ऑफिस के पास, बस स्टॉप, अक्कयपालेम मेन रोड, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) 530016

गुजरात

सूरत 09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा 9529920081
म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी 08588835718, 08588835719, बी-4/232
शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8 रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 07023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
09257017592,मकान नं. 342 ब्लॉक-सी, मद्रासी मन्दिर के पास विकासपुरी 110018

असम

गुवाहाटी
9529920089,मकान नं. 07, भुबन भयं पथ, सीपीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने, चंद्रमुख सत्रिया अकादमी के पास, पोस्ट-बामुनी मैदान, कामरूप मेट्रो, गुवाहाटी (असम) 781009

नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07073474438, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड,अलीगढ़

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087,12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

लोनी
07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 6375387481
आशीष नगर सोसायटी अभिषेक सोसायटी के पास मीना बाजार चार साला मेघानीनगर अहमदाबाद गुजरात 380016

राजकोट
09529920083, बी-33, शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर के सामने, यूनिवर्सिटी रोड, राजकोट 360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ-पैर)	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या
प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार
निर्धारित होती है। रोगी को उनकी स्वास्थ्य
समस्याओं के अनुसार
आहार चिकित्सा दी जाएगी।
आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी भी उपलब्ध है। सम्पर्क करें:- 0294 6622222, 09649499999

/nssudaipur /narayansevasansthan /@narayanseva_ narayansevasansthan

Narayan Children Academy

A Unit of Narayan Seva Sansthan

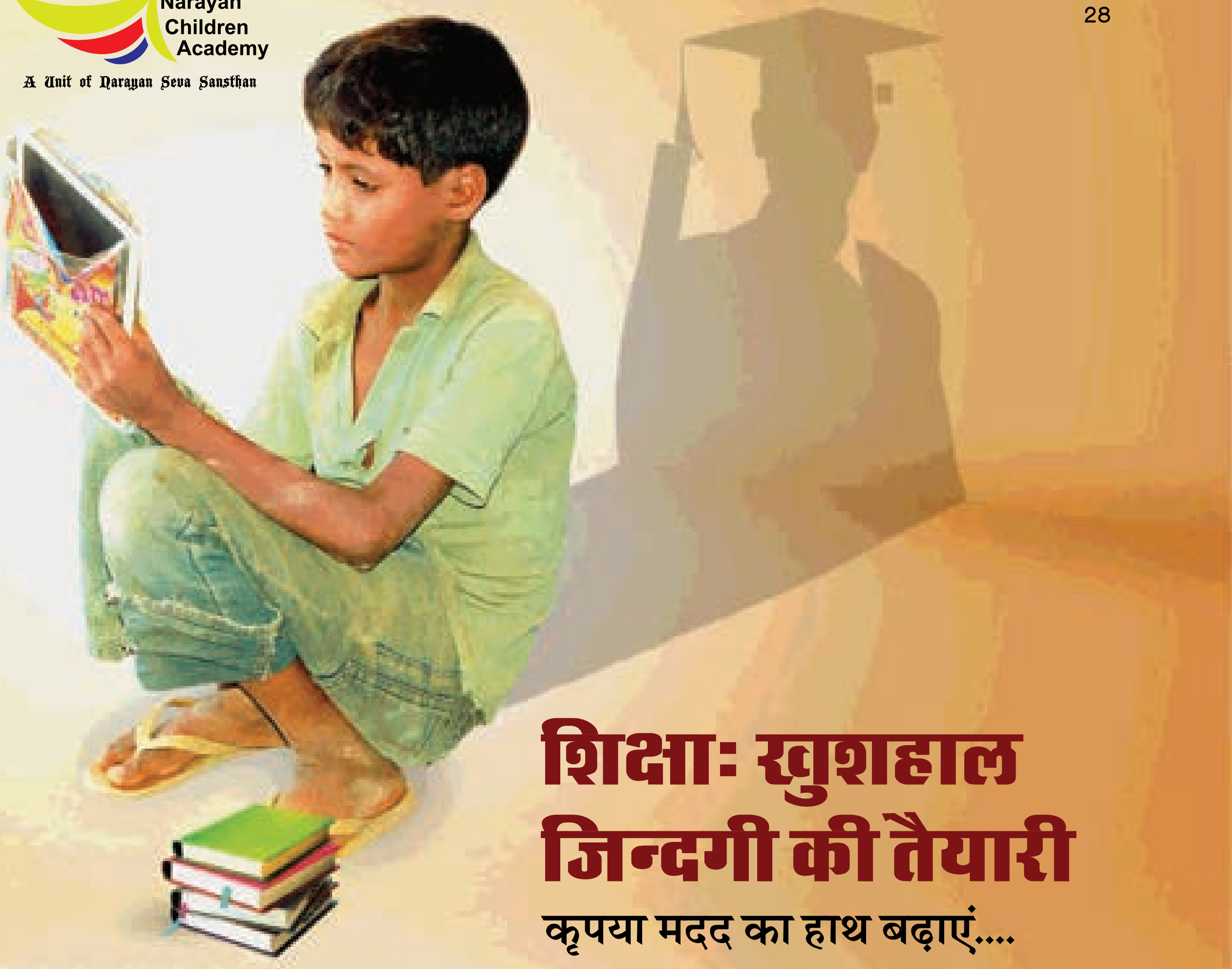

शिक्षाः खुशहाल जिन्दगी की तैयारी

कृपया मदद का हाथ बढ़ाएं....

Donate via UPI

narayanseva@sbi

एक बालक का
1 वर्ष का शिक्षा सहयोग
₹ 11,000

एक बालक का
1 माह का शिक्षा सहयोग
₹ 1,100

Seva Soubhagya Print Date 1 October, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-